भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 4643

28 मार्च, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

आयुर्वेदिक अनुसंधान केंद्र

4643. श्री नवसकनी के.:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) तमिलनाडु सहित देश में राज्य/संघ राज्यक्षेत्रवार कितने आयुर्वेदिक अनुसंधान केन्द्र (एआरसी) स्थापित किए गए हैं;

(ख) इन केन्द्रों में किए जा रहे नैदानिक परीक्षणों और अनुसंधान का ब्यौरा क्या है:

(ग) क्या सरकार की एआरसी के नेटवर्क का विस्तार करने की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने आयुर्वेद को स्वास्थ्य परिचर्या की मुख्यधारा में एकीकृत करने के लिए आयुर्वेदिक अनुसंधान केन्द्रों और आधुनिक चिकित्सा संस्थानों के बीच कोई सहयोग आरंभ किया है और यदि हां, तो ऐसी पहलों और उनके प्रभावों का ब्यौरा क्या है;

(ङ) मधुमेह, कैंसर और हृदय रोगों जैसी असाध्य बीमारियों के लिए आयुर्वेदिक दवाओं पर अनुसंधान को बढ़ावा देने हेतु सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं;

(च) क्या सरकार ने एआरसी को उन्नत प्रयोगशाला सुविधाओं से लैस करते हुए उनके आधुनिकीकरण और उन्नयन के लिए कोई पहल की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(छ) यदि हां, तो कुल कितने केन्द्रों का उन्नयन किया गया है और आरंभ की गई नई प्रौद्योगिकियों का ब्यौरा क्या है?

<u>उत्तर</u>

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क): आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने आयुर्वेदिक विज्ञान में वैज्ञानिक आधार पर अनुसंधान, समन्वय, निरूपण, विकास और संवर्धन के लिए एक स्वायत्त संगठन, केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) की स्थापना की है। पूरे भारत में स्थित इसके 30 संस्थानों/केंद्रों और विभिन्न विश्वविद्यालयों, अस्पतालों और संस्थानों के साथ सहयोगात्मक अध्ययनों के माध्यम से अनुसंधान गतिविधियाँ की जाती हैं। तमिलनाडु सहित देश में स्थापित सीसीआरएएस संस्थानों/केंद्रों की सूची **संलग्नक-I** पर दी गई है।

(ख): इन केन्द्रों पर जारी नैदानिक परीक्षणों और अनुसंधान का विवरण **संलग्नक-II** पर दिया गया है।

(ग): आयुर्वेदिक अनुसंधान केन्द्रों (एआरसी) के नेटवर्क का विस्तार करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

(घ): सीसीआरएएस ने निम्नलिखित अनुसंधान परियोजनाओं के माध्यम से आयुर्वेद को आधुनिक चिकित्सा पद्धति के साथ एकीकृत करने के लाभों और उसकी व्यवहार्यता की जांच करने के लिए निम्नलिखित अनुसंधान अध्ययन किए हैं: -

i) "ऑस्टियोआर्थराइटिस (घुटने) के उपचार के लिए तृतीयक देखभाल अस्पताल (सफदरजंग अस्पताल नई दिल्ली) में आयुर्वेद को आधुनिक चिकित्सा पद्धति के साथ एकीकृत करने की व्यवहार्यता का पता लगाने के लिए परिचालन" अध्ययन पूर्ण हो चुका है।

ii) "हिमाचल प्रदेश में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल (पीएचसी) स्तर पर राष्ट्रीय प्रजनन और बाल स्वास्थ्य सेवाओं में भारतीय चिकित्सा पद्धति (आयुर्वेद) को आरंभ करने की व्यवहार्यता" अध्ययन पूर्ण हो चुका है।

iii) "कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग और आघात की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीसीडीसीएस) में आयुष पद्धतियों का एकीकरण" अध्ययन पूर्ण हो चुका है।

iv) "महाराष्ट्र के चयनित जिले (गढ़चिरौली) के पीएचसी में प्रजनन और बाल स्वास्थ्य (आरसीएच) में आयुर्वेद उपचार आरंभ करने की व्यवहार्यता (प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल स्तर पर प्रसवपूर्व देखभाल (गर्भिणी परिचर्या) के लिए आयुर्वेदिक उपचार की प्रभावशीलता: एक बहु केन्द्रीय परिचालन" अध्ययन पूर्ण हो चुका है।

ये एकीकृत अध्ययन एकीकृत उपचार प्रोटोकॉल के लिए साक्ष्य आधार के निर्माण, समग्र दृष्टिकोण के माध्यम से स्वास्थ्य परिणामों में सुधार, मुख्यधारा के स्वास्थ्य देखभाल के भीतर आयुर्वेद की अधिक मान्यता, जन स्वास्थ्य प्रणालियों में आयुर्वेदिक उपचारों की व्यापक उपलब्धता और नई चिकित्सीय संभावनाओं को बढ़ावा देने वाले सुदृढ़ सहयोग को प्रभावित करते हैं।

(ङ): मधुमेह, कैंसर और हृदय संबंधी रोगों जैसे चिरकालिक रोगों के लिए आयुर्वेदिक औषधियों पर अनुसंधान को बढ़ावा देने हेतु उठाए गए कदमों का विवरण निम्नानुसार है:-

1) सीसीआरएएस ने विभिन्न चिरकालिक स्थितियों में अंत:वर्ती अनुसंधान (आईएमआर) और सहयोगात्मक मोड के माध्यम से विभिन्न शास्त्रीय आयुर्वेदिक योगों के लिए सुरक्षा और प्रभावकारिता अध्ययन किए हैं, जिनका विवरण **संलग्नक-III** पर दिया गया है।
2) सीसीआरएएस ने आवश्यकतानुसार प्रचलित प्रासंगिक दिशानिर्देशों को अपनाकर औषधि विकास यथा मानकीकरण, गुणवत्ता नियंत्रण, सुरक्षा/प्रभावकारिता अध्ययनों और नैदानिक अध्ययनों की व्यवस्थित प्रक्रिया के माध्यम से प्रचलित गैर- संचारी रोगों (एनसीडी) हेतु औषधि विकसित की है जिसका विवरण **संलग्नक-IV** पर दिया गया है।
3) व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु अनुसंधान के परिणामों को प्रतिष्ठित जर्नल्स में प्रकाशित किया गया है।

(च) और (छ): सरकार ने उन्नत प्रयोगशाला सुविधाओं के साथ आयुर्वेदिक अनुसंधान केन्द्रों को आधुनिक और उन्नत करने के लिए विभिन्न पहलें की हैं:-

1) सीसीआरएएस अपने अनुसंधान केंद्रों को उन्नत बनाने के लिए अधिकतम प्रयास कर रहा है, इसके लिए वह राष्ट्रीय स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं के प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएच) के साथ-साथ प्रयोगशालाओं के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड द्वारा मान्यता और निर्धारित गुणवत्ता

मानकों को प्राप्त कर रहा है, जो भारतीय गुणवत्ता परिषद में सम्मिलित निकाय हैं। परिषद के **12 अनुसंधान केंद्रों** ने एनएबीएच मान्यता प्राप्त की है, जबकि परिषद के **07 अनुसंधान केंद्रों** ने एनएबीएच का प्रवेश स्तर प्रमाणन प्राप्त कर लिया है। इसके अतिरिक्त, परिषद की **16 चिकित्सा प्रयोगशालाओं** ने एनएबीएल-एम (ईएल) टी मान्यता प्राप्त कर ली है, और परिषद की **05 प्रयोगशालाओं** ने परीक्षण और अंशअनुसंधानन श्रेणियों के तहत एनएबीएल मान्यता (आईएसओ/आईईसी 17025:2017) प्राप्त कर ली है। संस्थानों का विवरण **संलग्नक-V** पर दिया गया है।

2) सीसीआरएएस की छः परिधीय इकाइयों अर्थात कैप्टन श्रीनिवास मूर्ति केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (सीएसएमसीएआरआई), चेन्नई, केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (सीएआरआई), गुवाहाटी, केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (सीएआरआई), कोलकाता, राष्ट्रीय आयुर्वेद पंचकर्म अनुसंधान संस्थान (एनएआरआईपी), चेरुतुरुथी, क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (आरएआरआई), ग्वालियर, क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (आरएआरआई), पुणे में फार्माकोलॉजी प्रयोगशालाएं हैं|

3) सीएसएमसीएआरआई-चेन्नई, सीएआरआई-कोलकाता, एनएआरआईपी-चेरुतुरुथी और आरएआरआई-ग्वालियर में स्थित चार फार्माकोलॉजी प्रयोगशालाओं में कार्यात्मक प्रायोगिक पशु संकाय हैं, जिन्हें पशु प्रयोगों के नियंत्रण और पर्यवेक्षण समिति (सीसीएसईए) से अनुमोदन प्राप्त है।

4) उपरोक्त सभी प्रयोगशालाओं में आयुर्वेदिक फोर्मूलेशन्स की सुरक्षा और प्रमुख प्रभावकारिता अध्ययनों के संबंध में जांच के लिए पर्याप्त बुनियादी ढांचा/उपकरण हैं। केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद के तहत आयुर्वेद अनुसंधान केंद्रों को आधुनिक बनाने और उन्नत करने के लिए संबंधित अनुसंधान केंद्रों के अधिदेश के अनुसार विभिन्न परिष्कृत उपकरण भी खरीदे गए हैं।

*****

संलग्नक-I

केंद्रों की राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार सूची

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	संस्थान/केंद्र का नाम
1.	अंडमान एवं निकोबार द्वीप	1) क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, पोर्ट ब्लेयर
2.	आंध्र प्रदेश	2) क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, विजयवाड़ा
3.	अरुणाचल प्रदेश	3) क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, ईटानगर
4.	असम	4) केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, गुवाहाटी
5.	बिहार	5) क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, पटना
6.	दिल्ली	6) केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली
7.	गोवा	7) क्षेत्रीय आयुर्वेद खनिज एवं समुद्री औषधीय संसाधन अनुसंधान संस्थान, गोवा
8.	गुजरात	8) क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, अहमदाबाद
9.	हिमाचल प्रदेश	9) क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, मंडी
10.	जम्मू-कश्मीर	10) क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, जम्मू
11.	कर्नाटक	11) केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, बेंगलुरु
12.	केरल	12) राष्ट्रीय पंचकर्म आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, चेरुथुरुथी
		13) क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम
13.	मध्य प्रदेश	14) क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, ग्वालियर
14.	महाराष्ट्र	15) राजा रामदेव आनंदीलाल पोदार (आरआरएपी) केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, मुंबई
		16) क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, नागपुर
		17) क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, पुणे
15.	नागालैंड	18) क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान केंद्र, दीमापुर, नागालैंड
16.	ओडिशा	19) केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, भुवनेश्वर
17.	पंजाब	20) केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, पटियाला
18.	राजस्थान	21) एम.एस. क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, जयपुर
19.	सिक्किम	22) क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, गंगटोक
20.	तमिलनाडु	23) कैप्टन श्रीनिवास मूर्ति केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, चेन्नई
		24) डॉ. अचंता लक्ष्मीपति क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, चेन्नई
21.	तेलंगाना	25) राष्ट्रीय भारतीय आयुर्विज्ञान संपदा केंद्र, हैदराबाद
22.	त्रिपुरा	26) क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान केंद्र, अगरतला, त्रिपुरा
23.	उत्तर प्रदेश	27) केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, झांसी
		28) क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, लखनऊ
24.	उत्तराखंड	29) क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, रानीखेत
25.	पश्चिम बंगाल	30) केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, कोलकाता

संलग्नक II

सीसीआरएएस में जारी परियोजनाओं की सूची

क्र. सं.	परियोजना का नाम
नैदानिक अनुसंधान परियोजना- अंत:वर्ती अनुसंधान (आईएमआर)	
1.	त्रिफला घृत का क्लीनिकल मूल्यांकन ड्राई एज संबंधी मैक्यूलर डिजनरेशन लक्षणों के प्रबंधन में सामयिक (तर्पण) और आंतरिक औषधि के रूप में।
2.	आईटी प्रोफेशनल के बीच व्यावसायिक तनाव के प्रबंधन में आयुर्वेदिक मध्यवर्तन की प्रभावकारिता।
3.	मदात्याय (शराब निर्भरता) पर अतिरिक्त उपचार के रूप में अष्टांगलावन और श्रीखंडासाव के योगदान की प्रभावकारिता - एक ओपन लेबल परीक्षण
4.	भारत के चयनित शहरों में स्पष्ट रूप से स्वस्थ व्यक्तियों के बीच आयुर्वेद आधारित जीवनशैली के समर्थन और पद्धतियों का प्रभाव - एक रेंडम समानांतर समूह अध्ययन
5.	डिस्लिपिडेमिया में आयुर्वेद फॉर्मूलेशन ' त्रिकटु ' की प्रभावकारिता और सुरक्षा - एक संभावित रेंडम डबल ब्लाइंड प्लेसबो नियंत्रित परीक्षण
6.	पीसीओएस में आयुर्वेदिक प्रबंधन की प्रभावकारिता का क्लीनिकल मूल्यांकन - एक रेंडम ओपन लेबल नियंत्रण परीक्षण।
7.	मुँहासे के प्रबंधन (युवान पिडिका) में निम्बाडी चूर्ण, खदिरिष्ट और अर्जुन लेप (युवान पिडिका) का क्लीनिकल मूल्यांकन
8.	अग्निमांद्य के प्रबंधन में संजीवनी वटी और पिप्पलाद्यासव का क्लीनिकल मूल्यांकन - एक रेंडम समानांतर समूह अध्ययन।
9.	सौम्य प्रोस्टेटिक हाइपरप्लासिया के प्रबंधन में गोक्षुरादि गुग्गुल के साथ चंद्रप्रभा वटी की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन - एक रेंडम मानक नियंत्रित क्लीनिकल परीक्षण
10.	पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम के प्रबंधन में आयुर्वेदिक उपचार पद्धति का क्लीनिकल मूल्यांकन (विरेचन कर्म के बाद कंकयान वटी, कांचनार गुग्गुल और कुमार्यासव का मौखिक सेवन)- एक रेंडम नियंत्रित ओपन लेबल क्लीनिकल परीक्षण
11.	क्रोनिक एनल फिशर के प्रबंधन में यष्टिमधु घृत और इन्फिलटरेशन और डिल्टियाज़ेम टॉपिकल अनुप्रयोग की प्रभावकारिता की तुलना - एक ओपन-लेबल रेंडम नियंत्रित परीक्षण
12.	स्ट्रोक के बाद पुनर्वास में कार्यात्मक विकलांगता और क्यूओएल पर आयुर्वेद चिकित्सीय व्यवस्था बनाम फिजियोथेरेपी की प्रभावकारिता - एक संभावित रेंडम नियंत्रित परीक्षण
13.	क्रोनिक एनल फिशर में डिल्टियाज़ेम टॉपिकल अनुप्रयोग की तुलना में मुरीवेना एनल इन्फिलटरेशन की प्रभावकारिता और सुरक्षा: एक संभावित रेंडम ओपन-लेबल क्लीनिकल परीक्षण
14.	मेनरेजीआ (रक्तप्रदर) के प्रबंधन में आयुर्वेद मध्यवर्तन की प्रभावकारिता
15.	3-5 वर्ष की आयु के बच्चों में मध्यम कुपोषण के प्रबंधन में आयुष -बीआर लेहम की प्रभावकारिता का मूल्यांकन, एक रेंडम नियंत्रित ओपन लेबल संभावित क्लीनिकल अध्ययन।
16.	विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच तनाव के प्रबंधन में आयुष एसआर टैबलेट की प्रभावकारिता और सुरक्षा - एक डबल-ब्लाइंड रेंडम प्लेसबो-नियंत्रित अध्ययन।
17.	रेडिकुलोपैथी के साथ लम्बर डिस्क हर्नियेशन में आयुर्वेद उपचार प्रोटोकॉल की प्रभावकारिता का

	मूल्यांकन करने के लिए रैंडम नियंत्रित क्लीनिकल परीक्षण।
18.	पुनर्नवादि मंडुरा और दादीमाडी घृत की प्रभावकारिता और सुरक्षा बनाम आयरन की कमी से होने वाले एनीमिया से पीड़ित किशोरों में हीमोग्लोबिन के स्तर, कार्यात्मक आंत के सही रहने और संज्ञानात्मक प्रदर्शन में सुधार के लिए मानक देखभाल- एक रैंडम सक्रिय नियंत्रित परीक्षण
19.	दक्षिण अंडमान जिले, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह की वयस्क जनसंख्या में मेटाबोलिक सिंड्रोम की व्यापकता और प्रकृति और एनसीडी जोखिम घटकों के साथ इसके संबंध का आकलन करने के लिए एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन
20.	आयुर्वेद चिकित्सकों द्वारा ऑस्टियोआर्थराइटिस में प्रेस्क्रिपशन प्रवृत्तियों का दस्तावेजीकरण - एक पूर्वव्यापी विश्लेषण
21.	अग्निकर्म के लिए मानक संचालन प्रक्रिया विकसित करने के लिए एक क्लीनिकल सहमति अध्ययन ।
22.	विरेचन के लिए मानक संचालन प्रक्रिया विकसित करने के लिए एक क्लीनिकल सहमति अध्ययन ।
23.	क्लीनिकल सहमति अध्ययन: क्लासिकल वमन कर्म के लिए मानक संचालन प्रक्रिया का विकास ।
24.	कबाला और गंडूषा कर्म की मानक संचालन प्रक्रिया विकसित करने के लिए एक क्लीनिकल सहमति अध्ययन ।
25.	बस्ती कर्म के लिए मानक संचालन प्रक्रिया और अभ्यास दिशानिर्देश विकसित करने के लिए एक क्लीनिकल सहमति अध्ययन ।
26.	महिलाओं में उत्तरावस्थी के लिए मानक संचालन प्रक्रिया विकसित करने के लिए एक क्लीनिकल सहमति अध्ययन ।
27.	सिरव्यादान के लिए मानक संचालन प्रक्रिया विकसित करने के लिए एक क्लीनिकल सहमति अध्ययन ।
28.	ओटीसी दवाओं के सेवन के इतिहास के साथ आर.ए.आर.आई., ग्वालियर और लखनऊ के बाह्य रोगी विभाग में आने वाले रोगियों का स्वास्थ्य संबंधी व्यवहार: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन
29.	संबंधित राज्यों के पंजीकृत आयुर्वेदिक चिकित्सा के चिकित्सकों के बीच आयुर्वेदिक दवाओं की फार्माकोविजिलेंस के प्रति जानकारी, दृष्टिकोण और अभ्यास - एक बहुकेंद्रीय अध्ययन
30.	नस्य कर्म की संभावित प्रतिकूल घटनाओं का दस्तावेजीकरण करने के लिए एक संभावित व्यावहारिक अवलोकन अध्ययन (फार्माकोविजिलेंस परियोजना)
31.	वस्तिकर्म के दौरान संभावित प्रतिकूल घटनाओं पर एक अवलोकनात्मक अध्ययन - एक व्यावहारिक भावी अध्ययन (फार्माकोविजिलेंस परियोजना)
32.	प्रीमेन्स्ट्रुअल सिंड्रोम के प्रबंधन में आयुष एसआर की प्रभावकारिता और सुरक्षा - एक रैंडम डबल ब्लाइंड प्लेसीबो नियंत्रित अध्ययन
33.	लिपिड प्रोफाइल पर चिकित्सीय स्नेहा का प्रभाव - एक व्यवस्थित समीक्षा
34.	सौम्य प्रोस्टेटिक हाइपरप्लासिया (बीपीएच) के लिए आयुर्वेद उपचार: एक व्यवस्थित समीक्षा
35.	केरल में वयस्क महिलाओं में बालों में तेल लगाने (सिरो अभ्यंग) के ज्ञान, दृष्टिकोण और

	अभ्यास का मूल्यांकन करने के लिए एक विश्लेषणात्मक क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन
क्लीनिकल अनुसंधान परियोजनाएं - सहयोगात्मक	
1.	प्रथम सीरोलॉजिकल रिलैप्स सहयोगी परियोजना में उच्च ग्रेड सीरस एपिथीलियल डिम्बग्रंथि कैंसर में कार्कटोल -एस की प्रभावकारिता, विषाक्तता और इम्यूनोमॉड्यूलेटरी प्रभाव का अध्ययन करने के लिए चरण II का परीक्षण ।
2.	एटीटी पर तपेदिक के रोगियों में एक अतिरिक्त चिकित्सा के रूप में पीटीके की हेपेटोप्रोटेक्टिव कार्यकलाप का मूल्यांकन - एक डबल ब्लाइंड रेंडम नियंत्रण क्लीनिकल अध्ययन
3.	पारंपरिक उपचार के अतिरिक्त आयुर्वेदिक मध्यवर्तन की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करना तथा बाल चिकित्सा एडीएचडी (अटेंशन डेफिसिट हाइपरएसिडिटी डिसऑर्डर) में एपिजेनेटिक्स, न्यूरो/गट बायोमार्कर और न्यूरोइमेजिंग की परस्पर क्रिया का पता लगाना।
4.	माइग्रेन के प्रबंधन में आयुष एम-3 का डबल ब्लाइंड रैंडमाइज्ड प्लेसबो नियंत्रित मल्टीसेंट्रिक क्लिनिकल परीक्षण ।
5.	पार्किंसंस रोग के अनुकूलित पारंपरिक प्रबंधन के लिए ऐड-ऑन के रूप में आयुर्वेद चिकित्सीय व्यवस्था: क्लीनिकल कॉर्टिकल उत्तेजना न्यूरोइम्यून और ऑटोनामिक कार्य मापदंडों के आकलन के लिए एक आरसीटी।
6.	डिस्लिपिडेमिया में मानक देखभाल के अतिरिक्त आयुर्वेद फॉर्मूलेशन त्रिकटु की प्रभावकारिता और सुरक्षा - एक रेंडम नियंत्रित परीक्षण
7.	अस्पष्टीकृत और एनोवुलेटरी महिला बांझपन के प्रबंधन में योग मॉड्यूल के साथ एलोपैथिक उपचार (लेट्रोजोल) की तुलना में आयुर्वेद उपचार (हल्का विरेचन और आंतरिक मलहम) की प्रभावकारिता : एक आरसीटी
8.	प्रेस्बीक्यूसिस में क्षीरबला तैल के साथ टॉपिकल ऑयल पूलिंग (कर्णपूर्ण) और अश्वगंधा चूर्ण का पूरक चूर्ण (टीओपीएमएसी)- एक अन्वेषी रेंडम नियंत्रित परीक्षण
9.	सिकल सेल रोग के प्रबंधन में हाइड्रोक्सीयूरिया के सहायक के रूप में आयुर्वेदिक उपचार की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए संभावित, रेंडम, ओपन-लेबल, ब्लाइंडेड एंड पॉइंट अन्वेषणात्मक क्लीनिकल अध्ययन ।
10.	सामान्यीकृत चिंता विकार (जीएडी) में आयुष एसआर के उपचार अनुपालन और सहनशीलता का आकलन करने के लिए एक बहु-केंद्र अध्ययन
11.	प्राथमिक घुटने के ऑस्टियोआर्थराइटिस के प्रबंधन में आयुर्वेद चिकित्सीय व्यवस्था का उपचार अनुपालन, सहनशीलता और सुरक्षा : एक ओपीडी-आधारित अध्ययन
12.	डिस्लिपिडेमिया के प्रबंधन में आयुर्वेदिक योगों की उपचार सहनशीलता, दवा अनुपालन और सुरक्षा पर क्लीनिकल अध्ययन
13.	सोरायसिस के प्रबंधन में आयुर्वेदिक फार्मुलेशनों की उपचार सहनशीलता, दवा अनुपालन और सुरक्षा - एक ओपन लेबल सिंगल आर्म अध्ययन
14.	प्राथमिक घुटने के ऑस्टियोआर्थराइटिस के प्रबंधन में आयुर्वेद चिकित्सीय व्यवस्था का उपचार अनुपालन, सहनशीलता और सुरक्षा: एक ओपीडी-आधारित अध्ययन - आरएआरआई, तिरुवनंतपुरम
15.	प्राथमिक घुटने के ऑस्टियोआर्थराइटिस के प्रबंधन में आयुर्वेद चिकित्सीय व्यवस्था का उपचार अनुपालन, सहनशीलता और सुरक्षा: एक ओपीडी-आधारित अध्ययन - सीएआरआई, नई दिल्ली।

16.	महाराष्ट्र में पारंपरिक आहार खाद्य पदार्थों का सेवन करने वाली स्तनपान कराने वाली महिलाओं में अस्थि खनिज घनत्व के उत्क्रमण में मुक्ता शुक्ति भस्म और सौभाग्य शुन्टि का प्रभाव: एक रेंडम नियंत्रित प्रारंभिक क्लीनिकल अध्ययन
17.	आयरन की कमी से होने वाले एनीमिया के प्रबंधन में पुनर्नवादि मंडूरा की सहनशीलता, उपचार अनुपालन और सुरक्षा: एक ओपन लेबल सिंगल आर्म अध्ययन (आरएआरआई, जयपुर)
18.	स्थिर कोरोनरी धमनी रोग (सीएडी) में मानक देखभाल के अतिरिक्त आयुर्वेद मध्यवर्तनों (हृदयार्णव रस और हरित्यक्यादि योग) की प्रभावकारिता का मूल्यांकन ग्लोबल लॉन्गीट्यूडिनल स्ट्रेन इमेजिंग तकनीक (जीएलएसआईटी) के माध्यम से किया गया - एक रेंडम नियंत्रित परीक्षण।
19.	रुमेटॉइड आर्थराइटिस (आरए) के प्रबंधन में आयुर्वेद चिकित्सीय उपचार पद्धति का उपचार अनुपालन, सहनशीलता और सुरक्षा: एक खुला स्तर, ओपीडी-आधारित, बहु-केंद्र अध्ययन।
20.	स्थिर कोरोनरी धमनी रोग के प्रबंधन में आयुर्वेदिक मध्यवर्तन (पुष्कर गुग्गुल और हरीतकी चूर्ण) पर संभावित डबल ब्लाइंड रेंडम नियंत्रित क्लीनिकल अध्ययन।
21.	आयुर्वेदिक मध्यवर्तन की सहनशीलता, उपचार अनुपालन और सुरक्षा - लोहे की कमी से होने वाले एनीमिया के प्रबंधन में धात्री लौह: एक ओपन लेबल एकल आर्म क्लीनिकल अध्ययन।
22.	मध्यम रूप से कुपोषित बच्चों में स्वर्णप्राशन के प्रतिरक्षा-नियंत्रण प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक रेंडम डबल ब्लाइंड प्लेसबो नियंत्रण क्लीनिकल अध्ययन।
23.	अकेले पुनर्नवादि मंडुरा और प्रजनन आयु समूह की गैर-गर्भवती महिलाओं में मध्यम लौह की कमी से होने वाले एनीमिया के उपचार में आयरन फोलिक एसिड की तुलना में द्राक्षावलेह के संयोजन से प्रभावकारिता और सुरक्षा: एक समुदाय-आधारित थ्री आर्म वाला बहुकेंद्र रेंडम नियंत्रित परीक्षण।
24.	**उच्च रक्तचाप प्रेरित बाएं निलय अतिवृद्धि में अंशुमति** क्षीर **पाक का रेंडम नियंत्रित परीक्षण**
25.	ऑयरन की कमी से एनीमिया के प्रबंधन में द्राक्षावलेह की सहनशीलता, उपचार अनुपालन और सुरक्षा : एक ओपन लेबल सिंगल आर्म क्लीनिकल अध्ययन
26.	मिशन उत्कर्ष के अंतर्गत पांच जिलों में आयुर्वेद मध्यवर्तन के माध्यम से किशोरियों में एनीमिया नियंत्रण
27.	सोरायसिस के प्रबंधन में आयुर्वेदिक फार्मुलेशनों की उपचार सहनशीलता, दवा अनुपालन और सुरक्षा : एक ओपन-लेबल सिंगल-आर्म अध्ययन
28.	हरियाणा के बल्लभगढ़ जिले में बुजुर्ग आबादी के बीच जीवन की गुणवत्ता पर आयुर्वेद आहार के 1 उत्तरदाता प्रतिबंधित अध्ययन की एक खोजपूर्ण श्रृंखला - एक समुदाय आधारित अध्ययन।
29.	आंगनवाड़ी केंद्रों के 3-5 वर्ष की आयु के बच्चों में मध्यम कुपोषण के प्रबंधन में आईसीडीएस के तहत पूरक पोषण कार्यक्रम के सहायक के रूप में आयुष बीआर लेहम की प्रभावकारिता, सुरक्षा और स्वीकार्यता - एक क्लस्टर रेंडम नियंत्रित क्लीनिकल परीक्षण
औषधीय पादप अनुसंधान परियोजनाएं - अंत:वर्ती अनुसंधान (आईएमआर)	
1.	आयुर्वेद में प्रयुक्त चयनित औषधीय पौधों पर सीसीआरएएस के औषधीय अनुसंधान परिणामों का संकलन
2.	सीएआरआई, कोलकाता में कुछ महत्वपूर्ण आयुर्वेदिक पौधों के चयनित मार्करों के साथ अर्क के संवर्धन के लिए निष्कर्षण प्रक्रिया का अनुकूलन

3.	आरएआरआई, जम्मू में चयनित भारतीय औषधीय फूलों की फार्माकोग्नॉस्टिकल और रासायनिक प्रोफाइलिंग
4.	मेडिको-एथनो बोटानिकल सर्वे (एमईबीएस), आरएआरआई, रानीखेत (उत्तराखंड) से सर्वेक्षण अनुसंधान परिणामों का संकलन
5.	आरएआरआई, पुणे में चयनित मितव्ययी महत्वपूर्ण औषधीय पादपों की बड़े पैमाने पर खेती
6.	आरएआरआई, रानीखेत में चयनित मितव्ययी महत्वपूर्ण औषधीय पौधों की बड़े पैमाने पर खेती
7.	सीसीआरएएस की अनिवार्य औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं में भारत के आयुर्वेदिक फार्मूलरी में दिखने वाले औषधीय पौधों के लिए प्रामाणिक आयुर्वेदिक कच्ची औषधियों और हर्बेरियम का विकास और डिजिटलीकरण
8.	सीएआरआई कोलकाता में 1970-2000 तक एकत्रित हर्बेरियम शीटों का डिजिटलीकरण और अनुक्रमण।
9.	पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले के वन क्षेत्रों में मेडिको एथनो बोटैनिकल सर्वेक्षण।
10.	आयुर्वेदिक फार्मुलेशन में प्रयुक्त होने वाले एक संवेदनशील औषधीय पौधे हाइडनोकार्पसपेंट्रैन्ड्रस (बुच.-हैम.) ओकेन के संरक्षण के लिए इन विट्रो प्रसार प्रोटोकॉल की स्थापना
11.	तमिलनाडु के कांचीपुरम जिले के थांडाराई की इरुला जनजातियों से एकत्रित चयनित अतिरिक्त- फार्माकोपियल दवाओं के लिए गुणवत्ता मानकों का विकास करना
12.	आयुर्वेद में प्रयुक्त पौधों का छवि-आधारित वर्गीकरण डेटाबेस विकसित करना
13.	भारत के विभिन्न क्षेत्रों से एकत्रित स्थानीय स्वास्थ्य परंपराओं में प्रयुक्त चयनित अतिरिक्त-भेषज औषधियों (अनुक्त द्रव्यों) के गुणवत्ता मानकों का विकास ।
14.	भारत के विभिन्न क्षेत्रों से एकत्रित स्थानीय स्वास्थ्य परंपराओं में प्रयुक्त चयनित अतिरिक्त-भेषज औषधियों (अनुक्त द्रव्यों) के गुणवत्ता मानकों का विकास ।
15.	भारत के विभिन्न क्षेत्रों से एकत्रित स्थानीय स्वास्थ्य परंपराओं में प्रयुक्त चयनित अतिरिक्त-भेषज औषधियों (अनुक्त द्रव्यों) के गुणवत्ता मानकों का विकास ।
16.	भारत के विभिन्न क्षेत्रों से एकत्रित स्थानीय स्वास्थ्य परंपराओं में प्रयुक्त चयनित अतिरिक्त - भेषज औषधियों (अनुक्त द्रव्यों) के गुणवत्ता मानकों का विकास ।
17.	जठरांत्रिय संक्रमण, श्वसन संक्रमण और मूत्र मार्ग संक्रमण पैदा करने वाले बैक्टीरिया के विरुद्ध चुनिंदा आयुर्वेद फार्मुलेशनों की जीवाणुरोधी गतिविधि।
18.	चयनित आयुर्वेदिक फार्मुलेशनों के जीवाणुरोधी, एंटीऑक्सीडेंट और प्रतिरक्षा-संअनुसंधानक गुणों का मूल्यांकन
19.	दंत क्षय पैदा करने वाले सूक्ष्म जीवों के विरुद्ध आयुर्वेदिक प्रणाली में प्रयुक्त विभिन्न औषधीय पौधों के निरोधात्मक प्रभाव की जांच करना ।
20.	पौधों/सब्जियों/फलों/जड़ी-बूटियों की प्रीबायोटिक्स के रूप में उपयुक्तता के लिए इन विट्रो जांच।
21.	सामान्य तौर पर आयुर्वेदिक औषधियों और मिलावट करने वालों का तुलनात्मक फार्माकोग्नॉस्टिकल और फाइटोकेमिकल मानकीकरण, पुणे
22.	मेडिको एथनो बॉटनिकल सर्वे (एमईबीएस), आरएआरआई, ईटानगर के सर्वेक्षण अनुसंधान परिणामों का संकलन ।
23.	भारत में स्थानीय स्वास्थ्य परंपराओं (एलएचटीएस) और जातीय औषधीय पद्धतियों (ईएमपीएस) की व्यापक सूची - विशिष्टता स्थापित करने के लिए आयुर्वेदिक और जातीय

	औषधीय साहित्य के माध्यम से सत्यापन।
24.	शालपर्णी और पृश्निपर्णी, आरएआरआई, पुणे की वृद्धि, उपज, फाइटोकेमिकल सामग्री और औषधीय गतिविधियों पर वेसिकुलर आर्बुस्कुलर माइकोराइजा (वीएएम) के प्रभाव की जांच ।
25.	राजौरी जिले के सुंदरबनी ब्लॉक, जम्मू एवं कश्मीर, आरएआरआई जम्मू में स्थानीय स्वास्थ्य परंपराओं और जातीय औषधीय पद्धतियों का दस्तावेजीकरण और सत्यापन ।
26.	हिमाचल प्रदेश के लाहुल और स्पीति जिले, आरएआरआई मंडी में स्थानीय स्वास्थ्य परंपराओं और जातीय-चिकित्सा पद्धतियों का दस्तावेजीकरण और सत्यापन ।
27.	अरूणाचल प्रदेश के पापुम पारे और लोअर सुबनसिरी जिला, आरएआरआई, ईटानगर में स्थानीय बाजार में व्यावसायीकृत जंगली खाद्य और औषधीय पौधों का दस्तावेजीकरण
28.	आयुर्वेदिक फार्माकोपिया ऑफ इंडिया भाग-I, खंड-IV, आरएआरआई ग्वालियर के लिए मैक्रोस्कोपिक और माइक्रोस्कोपिक एटलस तैयार करना ।
29.	झांसी जिले, सीएआरआई झांसी में और इसके आसपास विभिन्न जल स्रोतों से दूर बहु औषधीय प्रतिरोधी एस्केप (ई) बैक्टीरिया के प्रति औषधीय पौधों से शक्तिशाली रोगाणुरोधी यौगिकों की पहचान की गई।
30.	विभिन्न हर्बल/पौधों आधारित कच्चे माल/फार्मुलेशन से माइकोटॉक्सिन/एफ्लाटॉक्सिन उत्पादन से जुड़े फंगल आइसोलेट्स की स्क्रीनिंग। सीएआरआई झांसी
31.	आयुर्वेद के चयनित औषधीय पौधों के उपयोगी भागों के लिए गुणवत्ता मानकों का विकास। आरएआरआई ग्वालियर
32.	निचले असम, गुवाहाटी के जंगली खाद्य पौधों का दस्तावेजीकरण और उपलब्धता अध्ययन
33.	इडुक्की केरल की मुथुवन जनजातियों के बीच पारंपरिक खाद्य व्यंजनों और जातीय औषधीय मूल्यों का दस्तावेजीकरण
34.	दक्षिण भारत (कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना) के बाजारों में प्रतिस्थापन और मिलावट के लिए पादप कच्ची औषधियों का अध्ययन और दस्तावेजीकरण
35.	कर्नाटक राज्य के पश्चिमी घाट के दक्षिणी भाग में जंगली खाद्य और औषधीय पौधों का दस्तावेजीकरण।
36.	तिरुवनंतपुरम जिले के वन प्रभाग में मेडिको एथनो बोटैनिकल सर्वेक्षण
37.	आयुर्वेद (पंचवलकल) में प्रयुक्त तने की छाल से अंतःपादप सूक्ष्मजीवों का पृथक्करण एवं पहचान तथा उनकी रोगाणुरोधी, एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटीबायोफिल्म गतिविधियों का मूल्यांकन
38.	चयनित औषधीय पौधों से जीवाणु एंडोफाइट्स की जैविक गतिविधियों का पृथक्करण, पहचान, लक्षण वर्णन और इन-विट्रो मूल्यांकन। सीएआरआई कोलकाता
39.	आयुर्वेद के चयनित औषधीय पौधों के उपयोगी भागों के लिए गुणवत्ता मानकों का विकास। चेन्नई
40.	आयुर्वेद के चयनित औषधीय पौधों के उपयोगी भागों के लिए गुणवत्ता मानकों का विकास। कोलकाता
औषधीय पादपों पर अनुसंधान परियोजनाएं - सहयोगात्मक	
1.	आरएआरआई, पुणे के औषधीय पादप बागान से चयनित आयुर्वेदिक औषधीय पौधों की प्रजातियों का पौध विविधता डेटाबेस
2.	डीएनए बारकोडिंग के माध्यम से महत्वपूर्ण आयुर्वेदिक औषधीय पौधों का लक्षण वर्णन ।
3.	फार्माकोग्नोस्टिक और फाइटोकेमिकल मापदंडों का उपयोग करके व्यापार में आयुर्वेद पौधों के

	कच्चे माल के लिए मिलावट/विकल्प की पहचान । सीएआरआई, झांसी और एनबीआरआई लखनऊ
4.	आयुर्वेद में प्रयुक्त होने वाले हाइड्रोपोनिक और खेत में उगाए जाने वाले औषधीय पौधों पर तुलनात्मक अध्ययन। सीएआरआई, झांसी और बीएचयू वाराणसी
5.	चयनित आयुर्वेदिक औषधीय पौधों के क्षेत्र और हाइड्रोपोनिक खेती का तुलनात्मक मूल्यांकन । सीएआरआई बेंगलुरु और आईआईएचआर बेंगलुरु
6.	आयुर्वेद में प्रयुक्त पंचवल्कल-05 औषधीय पौधों के जैवसक्रिय यौगिकों पर मौसमी परिवर्तन का अध्ययन। सीएआरआई, बेंगलुरु और यूएएस-बी, जीकेवीके
7.	इपोमोया मॉरिटियाना जैक. -एक दुर्लभ औषधीय पौधा के इन विट्रो प्रसार और आनुवंशिक स्थिरता अध्ययन । एनएआरआईपी चेरुथुरुथी और एसएनजीएस कॉलेज पट्टांबी
8.	सेंट्राथेरम एंथेलमिंटिकम (एल.) कुन्त्ज़े. की खेती और बीज अंकुरण की स्थिति का मानकीकरण
9.	एथनोमेडिसिनल प्लांट एल्शोल्ट्ज़िया ब्लांडा (बेन्थ.) के एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी प्रतिक्रियाओं का फार्माकोग्नॉस्टिक मूल्यांकन और आकलन बेन्थ . इन-विट्रो और इन-विवो मॉडल.
10.	चयनित अष्टवर्गा पौधों के लिए कृषि-तकनीकों का विकास

औषधि मानकीकरण अनुसंधान परियोजनाएं - अंत:वर्ती अनुसंधान	
1.	आयुष-64 के लिए फार्मास्युटिकल मानकों का विकास
2.	आयुष एम3 और आयुष एसएस ग्रैन्यूल्स के क्यूसी विश्लेषण, मार्कर/पीआरएस का आकलन और शेल्फ लाइफ अध्ययन
3.	आयुर्वेदिक पौधों से मार्कर यौगिक का पृथक्करण और मार्कर यौगिक लाइब्रेरी का विकास
4.	सर्वाधिक मूल्यवान आयुर्वेदिक कच्ची औषधियों के लिए मार्कर आधारित शेल्फ लाइफ अध्ययन और मार्कर आधारित परिमाणीकरण विधियों का विकास ।
5.	रिज़ोम पिक्रोरिज़ा कुरोआ पर ड्रग मास्टर फ़ाइल और डोजियर का विकास जोकि आयुर्वेद और समकालीन अनुसंधान से प्राप्त जानकारी के आधार पर एक महत्वपूर्ण आशाजनक औषधीय पौधा है
6.	एम्ब्लिका ऑफिसिनेलिस पर ड्रग मास्टर फ़ाइल और डोजियर का विकास जोकि आयुर्वेद और समकालीन अनुसंधान से प्राप्त जानकारी के आधार पर एक महत्वपूर्ण आशाजनक औषधीय पौधा है
7.	आयुष पीवीके जेल, आयुष एजीटी क्रीम और एजीटी लोशन के क्यूसी विश्लेषण, मार्कर/पीआरएस का आकलन और शेल्फ-लाइफ अध्ययन
8.	आयुष पीटीके और गो-मूत्र हरीतकी के क्यूसी विश्लेषण, मार्कर/पीआरएस का आकलन और शेल्फ-लाइफ अध्ययन
9.	भौगोलिक विविधताओं का प्रभाव, फाइटोकेमिकल प्रोफाइलिंग और चयनित औषधीय रूप से महत्वपूर्ण फिकस प्रजातियों के मार्कर-आधारित परिमाणीकरण।
10.	आमलकी, गुडुची और वासा के जलीय और हाइड्रोअल्कोहोलिक अर्क से लेपित गोलियों

	के लिए एसओपी का प्रीक्लिनिकल मानकीकरण और विकास तथा शेल्फ-लाइफ अध्ययन।
11.	आयुष क्वाथ चूर्ण और इसकी कच्ची औषधियों में मार्कर-आधारित ट्रेसेबिलिटी, शेल्फ-लाइफ और एंटीऑक्सीडेंट और रोगाणुरोधी क्षमता की खोज: आयुष क्वाथ चूर्ण अन्वेषण के लिए एक नया क्षितिज
12.	गुणवत्ता मानकों का विकास, मार्करों का आकलन और आयुष-82 और आयुष -एसजी का शेल्फ-लाइफ अध्ययन।
13.	विथानिया सोम्नीफेरा (एल.) डनल के लिए ड्रग मास्टर फ़ाइल और डोजियर का विकास जोकि आयुर्वेद और समकालीन अनुसंधान से एक महत्वपूर्ण औषधीय पौधा है।
14.	चयनित आयुर्वेदिक पौधों की जड़ या तने की छाल के साथ छोटी शाखाओं का तुलनात्मक फाइटोकेमिकल और औषधीय मूल्यांकन ।
15.	नीतिगत औषधि विकास के लिए आयुर्वेदिक महत्व के चयनित पौधों की जड़ों/प्रकंदों के लिए हाइड्रो-अल्कोहलिक निष्कर्षण प्रोटोकॉल का युक्तिकरण।
16.	आयुष केवीएम सिरप के फार्मुलेशन के लिए गुणवत्ता मानकों का विकास।
17.	कुछ चयनित आयुर्वेदिक औषधीय पौधों से फाइटोकॉन्स्टिट्यूएंट्स का पृथक्करण ।
18.	सुधावर्ग की आयुर्वेद औषधियों में कैल्शियम और ट्रेस खनिजों और धातुओं का आकलन।
19.	आयुर्वेदिक औषधीय तेलों 'मुरीवेन्ना', 'दुर्वादिकेरा', 'भृंगमलकादिकेरा' के प्रमुख जैवसक्रिय घटकों की गुणवत्ता नियंत्रण प्रोटोकॉल का विकास, पहचान और आकलन।
20.	गुणवत्ता मानकों का विकास, मार्करों का आकलन और क्वाथ चूर्ण फार्मूलेशन्स का शेल्फ-लाइफ अध्ययन करना।
21.	गुणवत्ता मानकों का विकास एवं एसओपी के साथ मार्कर-आधारित विश्लेषण और चार औषधीय दृष्टि से महत्वपूर्ण श्रेष्ठ आयुर्वेदिक फार्मूलेशन्स का शेल्फ-लाइफ अध्ययन करना ।
22.	गुणवत्ता मानकों का विकास, मार्करों का आकलन और चोपचिन्याडी चूर्ण, मरीचडी चूर्ण , मूसली और सारस्वत चूर्ण, सीएआरआई, गुवाहाटी में शेल्फ-लाइफ ।
23.	आयुष -ए और आयुष एससी-3 के लिए शेल्फ-लाइफ अध्ययन और मार्कर आधारित परिमाणीकरण विधियों का विकास।
24.	चयनित आयुर्वेदिक औषधीय पौधों में फाइटोकॉन्स्टिट्यूएंट्स / मार्कर यौगिकों पर मौसमी और भौगोलिक भिन्नता का मूल्यांकन
25.	आयुर्वेदिक औषधीय पौधों (कंचनारा , अस्थिश्रंखला, पुष्कर और लज्जालु) से मार्कर यौगिकों का पृथक्करण और मार्कर यौगिक लाइब्रेरी का विकास
26.	चयनित औषधीय पौधों के मार्कर/पीआरएस यौगिकों का पृथक्करण
27.	एसओपी, क्यूसी मानकों का विकास और सीसीआरएस कोडेड औषधि आयुष एसडीएम और पीके अवलेहा का शेल्फ-लाइफ अध्ययन
28.	सीसीआरएएस कोडित औषधियों अर्थात् आयुष -एचआर, आयुष-56, आयुष-पीजी-7 और

	आयुष -एससी-3 आदि में प्रयुक्त आयुर्वेदिक अवयवों से मार्कर यौगिकों का पृथक्करण।
29.	आयुष आरपी, आयुष एजी और आयुष जीजी फॉर्मूलेशन के एसओपी और गुणवत्ता नियंत्रण मापदंडों और शेल्फ-लाइफ अध्ययन का विकास
30.	व्यापक QC विश्लेषण, मार्कर का अनुमान, पोषण संबंधी प्रोफाइलिंग और " आयुष पोषक योग " का शेल्फ-लाइफ अध्ययन
31.	तंत्रिका-संज्ञानात्मक संवर्द्धन के लिए आयुर्वेद में प्रयुक्त वनस्पतियों का इन-सिलिको अध्ययन
32.	एसओपी का विकास, पॉलीहर्बल फॉर्मूलेशन में मार्कर यौगिकों का आकलन : त्र्युषणदि गुग्गुलु - एक शास्त्रीय आयुर्वेदिक नुस्खा
33.	पोषण प्रोफाइलिंग, बल्या दवाओं के पीआरएस/मार्कर का अनुमान
34.	एसओपी का विकास, क्यूसी मानकों और सीसीआरएएस कोडेड दवा आयुष यूटी मरहम का शेल्फ-लाइफ अध्ययन
35.	गुणवत्ता मानकों का विकास, आयुर्वेदिक योगों जैसे अभ्याद्य चूर्ण एवं उत्पलद्य चूर्ण के लिए एसओपी और शेल्फ-लाइफ अध्ययन
36.	गुणवत्ता मानकों का विकास, आयुर्वेदिक योगों जैसे पंचनिम्बा चूर्ण के लिए एसओपी और शेल्फ-लाइफ अध्ययन
37.	आयुर्वेद में प्रयुक्त होने वाले सामान्य औषधीय पौधों की छोटी शाखाओं, पत्तियों और छाल के साथ Ht.Wd का तुलनात्मक फाइटोकेमिकल मूल्यांकन
38.	क्वाथ फॉर्मूलेशन के विभिन्न अनुपातों के साथ हाइड्रो-अल्कोहलिक एक्सट्रेक्टिव्स की विस्तृत फाइटो -जांच
39.	गुणवत्ता मानकों का विकास, मार्कर का अनुमान और गुडुच्यादि , चतुर्भद्र और अमृतोत्तर क्वाथ चूर्ण का त्वरित शेल्फ-लाइफ अध्ययन
औषधि मानकीकरण अनुसंधान परियोजनाएं - सहयोगात्मक	
1.	एक्यूट प्रो-माइलोसाइटिक ल्यूकेमिया (एपीएमएल) के उपचार के लिए धातु आधारित आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशन (एमबीएएफ) का विकास
2.	आयुष-64 का मूल्यांकन और फेफड़े, लीवर और मस्तिष्क कोशिकाओं और उनके अंगों पर SARS-CoV-2 म्यूटेंट के लिए आयुष क्वाथ
3.	आयुर्वेदिक औषधीय निर्माण में फाइटोकेमिकल्स की रूपरेखा तैयार करना और उनके समुच्चय व्यवहार को समझना
फार्माकोलॉजी अनुसंधान परियोजनाएं - अंत:वर्ती परियोजना	
1.	गोक्षुरादि गुग्गुलु का प्रायोगिक मधुमेह अपवृक्कता पर प्रभाव : इन-विट्रो और इन-विवो अध्ययन
2.	भस्मों / रसकल्पों के कोशिकीय और नाभिकीय प्रवेश का अन्वेषणात्मक अध्ययन
3.	आयुष -एसडीएम टैबलेट की तीव्र और 90 दिनों की दोहराई गई खुराक का ओरल टोक्सिसिटीअध्ययन
4.	कांचनार गुग्गुलु और वरुणादि कषाय का मादा विस्टर चूहों में लेट्रोजोल प्रेरित

	पॉलीसिस्टिक डिम्बग्रंथि सिंड्रोम संबंधी स्थितियों के प्रतिकूल मूल्यांकन
5.	प्रायोगिक पशु मॉडलों में कोडित फॉर्मूलेशन आयुष-64 की मधुमेह-रोधी और हेपेटोप्रोटेक्टिव गतिविधि का मूल्यांकन
6.	अल्जाइमर रोग के चूहे मॉडल के प्रतिकूल कल्याणक घृत का मूल्यांकन
7.	गोजातीय पशुओं में स्तनसूजन के प्रबंधन में आयुर्वेद सूत्रीकरण पद्मकांत योग की प्रभावकारिता का क्लीनिकल मूल्यांकन
8.	पंचगव्य घृत का मूल्यांकन अवसादरोधी/चिंतानिवारक/नूट्रोपिक का चूहे में प्रयोगात्मक रूप से प्रेरित तनाव पर प्रभाव
9.	आयुष 64 की प्रजनन विषाक्तता प्रोफ़ाइल का अन्वेषण
10.	यकृत कोशिका रेखा में मुक्त फैटी एसिड प्रेरित स्टेटोसिस के प्रतिकुछ औषधीय पौधों का मूल्यांकन - इनविट्रो अध्ययन।
11.	एसएस कणिकाओं की प्रजनन विषाक्तता प्रोफ़ाइल का अन्वेषण।
12.	प्रसवपूर्व देखभाल के लिए अभिप्रेत कोडेड औषधियों का अध्ययन, अर्थात आयुष जीजी और आयुष एजी, ज़ेब्राफ़िश भ्रूण मॉडल में उनकी विकासात्मक विषाक्तता और टेराटोजेनिसिटी प्रोफाइल
13.	प्रायोगिक पशुओं में ट्रायुसानाडी गुग्गुल की सुरक्षा और मोटापा-रोधी गतिविधि
14.	चौलमूगरा तेल और श्वेत सरशापा चूर्ण की कैंसर विरोधी गतिविधि का प्रायोगिक चूहों में त्वचा के एपिडर्मल कार्सिनोमा के उपचार में किया गया।
15.	प्रायोगिक पशुओं में आयुष जीएमएच की तीव्र और उप-जीर्ण (90 दिन) दोहराई गई खुराक की ओरल टोक्सिसिटीका अध्ययन
16.	निमबतिकतम की दोहराई गई तीव्र और जीर्ण (180 दिन) खुराक की ओरल टोक्सिसिटीका अध्ययन
17.	कोडेड औषधि आयुष आरपी का तीव्र और जीर्ण (180 दिन) ओरल टोक्सिसिटीअध्ययन
18.	बालरक्षक लेह्यम का तीव्र और दोहराई गई तीव्र और जीर्ण (180 दिन) खुराक की ओरल टोक्सिसिटीका अध्ययन
19.	आयुष एलके जेल की तीव्र और 90-दिवसीय उप-क्रोनिक त्वचीय विषाक्तता का मूल्यांकन
20.	प्रायोगिक पशुओं में आयुष-बाल घुट्टी का तीव्र और 90-दिवसीय ओरल टोक्सिसिटीअध्ययन
21.	बाल रसायन का प्रायोगिक पशुओं में तीव्र और जीर्ण (180 दिन) खुराक की ओरल टोक्सिसिटीका अध्ययन
22.	प्रायोगिक पशु मॉडल पर आयुष-56 के तीव्र, उप-तीव्र (28 दिन) और जीर्ण (180 दिन) दोहराई गई खुराक ओरल टोक्सिसिटीका मूल्यांकन
23.	विस्टर चूहों में मेथिमाज़ोल प्रेरित प्रायोगिक हाइपोथायरायडिज्म में त्रिकटु चूर्ण का जैव रासायनिक प्रभाव
24.	कैंसर प्रबंधन के लिए ज़ेब्राफ़िश भ्रूण मॉडल में उनकी एंटी-एंजियोजेनिक क्षमता और

	विषाक्तता प्रोफ़ाइल के लिए चयनित आयुर्वेदिक जड़ी बूटियों का अध्ययन ।
25.	कृंतक मॉडल में आयुष एमएमएल तेल की तीव्र त्वचीय विषाक्तता, 90 दिनों की दोहराई गई खुराक त्वचीय विषाक्तता, एनाल्जेसिक और एंटि-इन्फ़्लिमटेरी गतिविधि का मूल्यांकन।
26.	अमृतादि गुग्गुल की एंटी- हाइपरयूरिसेमिक और एंटी-गाउटी गठिया गतिविधियाँ मोनो सोडियम यूरेट क्रिस्टल-प्रेरित विस्टार चूहों में ।
फार्माकोलॉजी अनुसंधान परियोजनाएं - सहयोगात्मक	
1.	चूहों में आयनकारी विकिरण-प्रेरित तीव्र त्वचीय चोट के विरुद्ध आयुर्वेदिक योगों का पूर्व-क्लीनिकल मूल्यांकन - क्लीनिकल अध्ययन के निहितार्थ
2.	फ्लोरोमेट्रिक उच्च थ्रूपुट स्क्रीनिंग परख के माध्यम से दवाओं-साइटोक्रोम P450 एंजाइम इंटरैक्शन का मूल्यांकन
3.	अश्वगंधा और योगराज गुग्गुलु की प्रभावकारिता और क्रियाविधि पर, ऑस्टियोआर्थराइटिस के उपचार के लिए एक हाइब्रिड प्रोटिओमिक्स- केमोइन्फॉर्मेटिक्स - नेटवर्क चिकित्सा दृष्टिकोण का यांत्रिक जांच के लिए उपयोग
4.	साइटोटॉक्सिसिटी, फार्माकोकाइनेटिक्स, कैंसर विरोधी गतिविधि, भल्लातकड़ी के विस्तृत आणविक तंत्र इन विट्रो (2डी और 3डी कल्चर) और इन विवो ट्यूमर में मोदका ज़ेनोग्रैफ़्ट मॉडल में मूल्यांकन
5.	शुंठी गुग्गुल की विषाक्तता अध्ययन और सूजनरोधी और गठियारोधी गतिविधि का चूहों (त्रिफला षोधिता)में मूल्यांकन
6.	प्रतिरक्षा-नियंत्रण और कैंसर-रोधी फॉर्मूलेशन के रूप में कार्कटोल -एस की यांत्रिक भूमिका को समझना
7.	ल्यूकेमिया , लिम्फोमा, मेलेनोमा, फेफड़े और स्तन कैंसर के पूर्व-क्लीनिकल मॉडल के प्रति इम्यूनोमॉडुलेटरी और कैंसर विरोधी यौगिकों के रूप में CARAF और CAGHE की यांत्रिक भूमिका को समझना
8.	आयुर्वेदिक योगों के फार्माकोडायनामिक्स को समझना (आयुष मानस , भल्लाटक घृत और ज्योतिष्मती तेल) का उपयोग रिवर्स फार्माकोलॉजिकल दृष्टिकोणों को एकीकृत करके न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों के उपचार में किया जाता है।
9.	डिम्बग्रंथि के कैंसर कोशिकाओं पर रस सिंधुर की कैंसर विरोधी क्षमता और आणविक तंत्र
10.	कांचनार गुग्गुल की कैंसर रोधी क्षमता का, सिलिको औषधीय विश्लेषण और आणविक तंत्र डिम्बग्रंथि के कैंसर में μ ट्यूमर स्फेरोइड्स, और इन विवो मॉडल में मूल्यांकन
11.	अनुक्त का जलीय और हाइड्रोअल्कोहोलिक निष्कर्षण द्रव्य पौधे और विभिन्न रोगों के लिए उनकी चिकित्सीय प्रभावकारिता का मूल्यांकन
12.	प्रायोगिक पशुओं में रसमाणिक्य रस की विषाक्तता प्रोफ़ाइल
13.	महुआ (मधुका) लॉन्गीफोलिया) आधारित खाद्य नुस्खा (उत्पाद विकास) और इसके पोषण, विषाक्तता, प्रभावकारिता और जैवउपलब्धता अध्ययन का विकास

14.	ओपंटिया एलाटॉइर (फल) आधारित खाद्य व्यंजन (उत्पाद विकास) और इसके पोषण, विषाक्तता, प्रभावकारिता और जैवउपलब्धता अध्ययन का विकास
15.	स्वर्ण प्रशन आहार की प्रभावकारिता, सुरक्षा और विषाक्तता पर प्रीक्लिनिकल अध्ययन बाल चिकित्सा तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में सहायक चिकित्सा के रूप में
16.	प्रायोगिक पशुओं में स्वस्कुथार रस की विषाक्तता प्रोफ़ाइल
17.	त्रिभुवन कीर्ति रस की विषाक्तता प्रोफ़ाइल प्रायोगिक पशुओं में
18.	अमलाकी (फिलांथस एम्ब्लिका लिन.) फल का आयुष मार्ग के माध्यम से तपेदिक में सहायक चिकित्सा के लिए एंटी-ट्यूबरकुलर उपचार (एटीटी) प्रेरित हेपेटोटॉक्सिसिटी को कम करने के लिए पूर्व-क्लीनिकल विकास
19.	गुडूची [टीनोस्पोरा कॉर्डीफोलिया (अंगूठा) मियर्स] तने का आयुष मार्ग के माध्यम से तपेदिक में सहायक चिकित्सा के लिए एंटी-ट्यूबरकुलर उपचार (एटीटी) प्रेरित हेपेटोटॉक्सिसिटी को कम करने के लिए पूर्व-क्लीनिकल विकास
20.	वासा (जस्टिसिया (अधातु) लिन)) पत्तियों का अधातु क्षय रोग में सहायक चिकित्सा के लिए आयुष मार्ग के माध्यम से एंटी-ट्यूबरकुलर उपचार (एटीटी) प्रेरित हेपेटोटॉक्सिसिटी पूर्व-क्लीनिकल विकास
21.	धात्री लौह का (एक शास्त्रीय आयुर्वेदिक सूत्रीकरण) लौह की कमी से होने वाले एनीमिया (पांडु रोगा) का पूर्व-क्लीनिकल अध्ययन
22.	प्रायोगिक पशुओं में मृत्युंजय रस की विषाक्तता प्रोफाइलिंग
23.	आयुर्वेदिक दवाओं की अवरोध क्षमता का मूल्यांकन : औषधि-औषधि इंटरेक्शन के लिए निहितार्थ
24.	ओपंटिया एलाटियर फल के डिम्बग्रंथि के कैंसर के पूर्व-क्लीनिकल मॉडल में कीमोथेरेपी-प्रेरित विषाक्तता के प्रति कीमोप्रिवेंटिव प्रभाव
25.	संपोषणीय औषधीय जोंक खेती प्रौद्योगिकी का मानकीकरण और इसके भंडारण, परिवहन और चिकित्सीय अनुप्रयोग के लिए एसओपी का विकास
26.	चयनित हर्बल फॉर्मूलेशन की एंटी- हाइपरग्लाइसेमिक गतिविधि के तंत्र को स्पष्ट करना
27.	कोडित फॉर्मूलेशन आयुष-पीटीके का तीव्र और नब्बे-दिवसीय दोहराया खुराक (उप-क्रोनिक) का ओरल टोक्सिसिटी अध्ययन।
28.	दो प्रोमिसिंग अतिरिक्त फार्माकोपियाल (अनुक्त द्रव्य) जलीय और इथेनॉलिक निष्कर्षण पौधों का और उनकी सूजन रोधी और घाव भरने वाली गतिविधियों का मूल्यांकन।
29.	ड्रोसोफिला मेलानोगास्टर में स्वर्ण भस्म की एंटी-एजिंग, एंटीम्यूटाजेनिक और कैंसर कीमोप्रिवेंशन क्षमता का आकलन
30.	बहुआयामी औषधि खोज दृष्टिकोण का उपयोग करके उच्च ऊंचाई की बीमारी के उपचार के लिए कोडेड औषधि आयुष रसायन बी का मूल्यांकन ।
31.	टाइप II डायबिटीज न्यूरोपैथी के एक चूहे मॉडल में वसंतकुसुमाकर रस का न्यूरोप्रोटेक्टिव और एंटीऑक्सीडेंट प्रभावों का मूल्यांकन
32.	प्रयोगात्मक रूप से प्रेरित चूहों में मायोकार्डियल इंफार्क्शन पर पुष्कर गुग्गुलु का हृदय-

	सुरक्षात्मक प्रभाव
33.	ब्राह्मी घृत का मूल्यांकन अल्जाइमर रोग के इन-विट्रो और इन-विवो मॉडल में
34.	प्रभाकर वटी के प्रभाव का मूल्यांकन हृदय संबंधी मापदंडों पर
35.	ब्राह्मी घृत पंचगव्य घृत और आयुष 56 की न्यूरोप्रोटेक्टिव क्षमता का मिर्गी मॉडल में मूल्यांकन इसका कार्यात्मक महत्व और क्रियाविधि
36.	चयनित आयुर्वेदिक योगों के माध्यम से एंटीबायोटिक-प्रतिरोधी आंत रोगज़नक़-प्रेरित एसिड पेप्टिक रोगों को लक्षित करना।
लिटररी परियोजनाएँ- अंत:वर्ती अनुसंधान	
1.	मूर्त और अमूर्त साक्ष्य के माध्यम से आयुर्वेद ऐतिहासिक छापों (SAHI) का प्रदर्शन।
2.	ई-मेडिकल हेरिटेज एक्सेसन (ई-मेधा)
3.	अप्रकाशित पाण्डुलिपि शालिहोत्र का संस्कृत से अंग्रेजी में अनुवाद
4.	महामति चक्रपानी दास कृत अभुनव चिंतामणि (संस्कृत से अंग्रेजी अनुवाद)
5.	रुचि की अभिव्यक्ति के आधार पर सौंपे गए साहित्यिक कार्यों का आलोचनात्मक मूल्यांकन, परिष्करण, तकनीकी संपादन और प्रकाशन।
6.	आयुष के बहुमुखी मापदंड के लिए डिजिटल पुनर्प्राप्ति अनुप्रयोग (द्रव्य)
7.	कोविड-19 की रोकथाम और प्रबंधन के लिए आयुर्वेद में अनुसंधान पर प्रकाशनों की ग्रंथसूची का विश्लेषण
8.	भारद्वाज का प्रणिता भेषजकल्पः (संस्कृत) ग्रंथ का हिंदी और अंग्रेजी में अनुवाद
9.	प्रमादागादरी का अंग्रेजी और हिंदी अनुवाद विद्याका ग्रंथ (मराठी)
10.	सीसीआरएएस के इतिहास और विकास का दस्तावेजीकरण: एक कालानुक्रमिक परिप्रेक्ष्य।
11.	आयुर्वेद में परिवर्तन लाने के लिए सराहनीय व्यक्तित्वों के जीवन परिचय का दस्तावेजीकरण (एपीटीए)
12.	आयुष पांडुलिपियों और दुर्लभ पुस्तकों का संग्रह, डिजिटलीकरण और सूचीकरण (सीडीसीएएमआर)
13.	नमस्ते - आईसीडी-10 से आईसीडी-11 टीएम-2 मॉड्यूल में परिवर्तन के लिए पोर्टल उन्नयन और स्वास्थ्य हस्तक्षेप के अंतर्राष्ट्रीय वर्गीकरण (आईसीएचआई) टेम्पलेट के आधार पर प्रक्रिया कोड का विकास।
14.	आयुष से संबंधित सर्वेक्षण और विश्लेषण के लिए डिजिटल डेटा संग्रह प्रणाली ।
15.	सीसीआरएएस प्रकाशनों में संस्कृत पाठ की आलोचनात्मक समीक्षा और परिअनुसंधानन
लिटररी परियोजनाएँ- सहयोगात्मक	
1.	वैदिक साहित्य से स्वास्थ्य संबंधी संदर्भों का व्यापक संग्रह और चयनित वैदिक पद्धतियों का व्यवस्थित दस्तावेजीकरण
2.	सीसीआरएएस के चयनित कोडित फॉर्मूलेशन का इन-सिलिको नेटवर्क फार्माकोलॉजी अध्ययन
3.	आयुर्वेद के चयनित निघंटु की ई-पुस्तकें तैयार करना
मौलिक अनुसंधान - अंत:वर्ती अनुसंधान परियोजनाएं	

1.	प्रकृति और मधुमेह रेटिनोपैथी के बीच संबंध का पता लगाने के लिए एक क्रॉस-सेक्शनल सर्वेक्षण
मौलिक अनुसंधान - सहयोगात्मक परियोजनाएँ	
1.	स्वस्थ मनुष्यों में प्रकृति के आणविक हस्ताक्षरों को चित्रित करने के लिए सिस्टम बायोलॉजी दृष्टिकोण ।
2.	आयुष उद्योग में उद्यमिता : आयुष उत्पाद और सेवाओं में प्रबंधन और व्यावसायीकरण सिद्धांत
3.	आयुर्वेद के आणविक आधार को समझने के लिए माइटो -न्यूक्लियर जीन विविधताओं की रूपरेखा तैयार करके माइटोकॉन्ड्रियल कार्य को स्पष्ट करना। प्रकृति : स्वास्थ्य और दीर्घायु का निर्धारक
4.	तेल बिन्दु परीक्षा का मानकीकरण, वैज्ञानिक सत्यापन और स्वचालन - एक प्राचीन पूर्वानुमान उपकरण
5.	एक क्षेत्रीय परिप्रेक्ष्य से स्वास्थ्य और प्रमुख रोग प्रवृत्ति में प्रकृति और उसके वंशानुक्रम पैटर्न को समझना - एक आनुवंशिक और एपिजेनेटिक अध्ययन
6.	प्रकृति और प्रारंभिक एवं स्थानीय रूप से उन्नत स्तन कैंसर के परिणामों के बीच संबंध का अध्ययन।
फार्मास्युटिकल रिसर्च - अंत:वर्ती अनुसंधान परियोजनाएं	
1.	प्रक्रिया सत्यापन और फार्मास्युटिकल मानकीकरण का अनुमान वकलासुनादी तेल , सोमराजी तेल, हिंगुत्रिगुणा तेल और यष्टिमधु का शेल्फ लाइफ का अध्ययन
2.	अर्का फॉर्मूलेशन के लिए गुणवत्ता मानकों का विकास
3.	करुथामरमनी गुटिका/टेबलेट/शिरास्वतोददि गुटिका/टेबलेट का औषधीय विकास और लक्षण वर्णन
4.	शेल्फ-लाइफ अध्ययन के साथ पॉलीहर्बल फॉर्मूलेशन एमएमएल तेल का फार्मास्युटिकल मानकीकरण ।
5.	एएफआई में तेल, वचडी तेल और भृंगमालकादि तेल पिप्पल्यादि योगों की प्रक्रिया सत्यापन और मानकीकरण
6.	पुष्कर गुग्गुल टेबलेट्स के निर्माण विकास, फार्मास्युटिकल मानकीकरण और त्वरित स्थिरता का अध्ययन
7.	अभिजिता तेल, मधुकाडी तेल और व्याघ्री तेल की प्रक्रिया सत्यापन, फार्मास्युटिकल मानकीकरण और शेल्फ-लाइफ का अनुमान अध्ययन
8.	चूर्ण , जलीय और हाइड्रोअल्कोहलिक अर्क का उपयोग करके विभिन्न तरीकों से अमृतादि वटी/गोलियों का निर्माण विकास और औषधि मानकीकरण का तुलनात्मक विश्लेषणात्मक और त्वरित स्थिरता अध्ययन
9.	यशद भस्म का औषधीय मानकीकरण और लक्षण वर्णन
10.	चयनित अयोलेपा रसायन कल्पना का फार्मास्यूटिकल मानकीकरण, एसओपी विकास और व्यापक फाइटोकेमिकल प्रोफाइलिंग

11.	आयुष वीआर तेल, इसका जेल/मलहम रूप का फार्मास्यूटिकल विकास मानकीकरण, त्वरित स्थिरता अध्ययन, इन-सिलिको, जीवाणुरोधी और एंटीफंगल गतिविधियों के साथ
12.	डी एंड सी अधिनियम 1940 के नियम 161 और नियम 1945 के अनुपालन में एनएलईएएम में शामिल और भारत में विपणन की जाने वाली आयुर्वेदिक दवाओं की लेबलिंग जानकारी का एक व्यवस्थित सर्वेक्षण
फार्मास्युटिकल अनुसंधान - सहयोगी परियोजनाएं	
1.	रसौषधियों (रससिन्दूर) की तैयारी के दौरान उनके धुएं से भारी धातुओं को कुशलतापूर्वक हटाने और पुनः प्राप्त करने के लिए एक उपकरण का डिजाइन और विकास
2.	कर्नाटक के पारंपरिक खाद्य व्यंजनों का दस्तावेजीकरण और आयुर्वेद और पोषण संबंधी परिप्रेक्ष्य के साथ उनका सत्यापन, टीडीयू विश्वविद्यालय; सीएआरआई, बेंगलुरु।
3.	आयुर्वेद नुस्खों का निर्माण एवं उत्पाद विकास तथा चयनित उत्पादों का पोषण मूल्यांकन सीएसआईआर-सीएफटीआरआई, मैसूर ; सीएआरआई, बेंगलुरु।

सार्वजनिक स्वास्थ्य अनुसंधान	
1.	एससीएसपी के अंतर्गत आयुर्वेद मोबाइल स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रम: यह कार्यक्रम 14 राज्यों में 15 सीसीआरएएस संस्थानों के माध्यम से चलाया जा रहा है। 24-25 के दौरान, "समुदाय में व्यापक आयुर्वेद-आधारित स्वास्थ्य सेवा दृष्टिकोण की स्वीकार्यता और व्यक्तिगत स्वास्थ्य सेवा की प्रभावशीलता - क्लस्टर रेंडम अध्ययन" शीर्षक से अनुसंधान अध्ययन चलाया जा रहा है।
2.	एससीएसपी के अंतर्गत महिला एवं बाल स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम: यह कार्यक्रम 10 राज्यों में 10 सीसीआरएएस संस्थानों के माध्यम से चलाया जा रहा है। 24-25 वर्षों के दौरान, “प्रजनन आयु की महिलाओं में मासिक धर्म से संबंधित ज्ञान, दृष्टिकोण और पद्धतियों (केएपी) पर एक क्रॉस-सेक्शनल समुदाय-आधारित अध्ययन” और “प्रजनन आयु की महिलाओं में मासिक धर्म से संबंधित ज्ञान, दृष्टिकोण और पद्धतियों पर आयुर्वेद-आधारित आचरण का प्रभाव- एक समुदाय-आधारित अध्ययन” शीर्षक से अनुसंधान अध्ययन किए जा रहे हैं।
3.	जनजातीय स्वास्थ्य सेवा अनुसंधान कार्यक्रम: यह कार्यक्रम 14 राज्यों में 14 सीसीआरएएस संस्थानों के माध्यम से चलाया जा रहा है। 24-25 के दौरान, “आदिवासी समुदाय में व्यापक आयुर्वेद-आधारित स्वास्थ्य सेवा दृष्टिकोण की स्वीकार्यता का आकलन और व्यक्तिगत स्वास्थ्य सेवा की प्रभावशीलता - क्लस्टर रेंडम अध्ययन” शीर्षक से अनुसंधान अध्ययन चलाया जा रहा है।

संलग्नक-III

<u>रोग-वार फॉरमुलेशंस का विवरण *नैदानिक अनुसंधान परियोजनाओं के अधीन मान्य</u>

क्र.सं.	रोग की स्थिति का नाम	आयुर्वेद फॉर्मूलेशंस का नाम
1.	ब्रांकाईल अस्थमा (*श्वास*)	• व्याघ्री हरीतकी • कनकासवा • त्रिवृता चूर्ण • कांतकार्यवलेह • एलादी गुटिका • अगस्त्य हरीतकी रसायन • अपमार्ग क्षार
2.	सरवाईकल स्पोंडिलोसिस (*ग्रीवग्रह*)	• पंचामृत लौह गुग्गुल • पंचगुण तेल
3.	संज्ञानात्मक कमी	• ब्राह्मी घृत • ज्योतिष्मती तेल • सरस्वती घृत • कल्याणक घृत
4.	क्रॉनिक ब्रोंकाइटिस (*कासा*)	• व्याघ्री हरीतकी • वासावलेह • कूष्माण्डक रसायन • सितोपालादि चूर्ण • एलादी चूर्ण • लवंगडी वटी • तालिशादी चूर्ण • द्राक्षारिष्ट • चित्रक हरीतकी
5.	क्रॉनिक राइनोसाइनुसाइटिस (*पिनासा*)	• शब्दबिंदु तेल • चित्रक हरीतकी
6.	टाइप।। डायबिटीस मेलिटस	• सप्तविंशतिका गुग्गुल • हरिद्र चूर्ण • निसा आमलकी चूर्ण टेबलेट • चंद्रप्रभा वटी • निशाकटकादि कषाय • यशद भस्म • गोक्षुरादि गुग्गुलु • गुडुची चूर्ण
7.	डिसलिपिडेमिया	• व्योषादि गुग्गुलु • हरीतकी चूर्ण

8.	आवश्यक उच्च रक्तचाप	• अश्वगंधाद्यरिष्ट • जटामांसी अर्क • सर्पगंधा वटी • रूद्राक्ष चूर्ण • पार्थद्यारिष्ट (अर्जुनरिष्ट)
9.	सामान्यीकृत चिंता विकार	• क्षीरबाला तेल • मंडूकापर्णी चूर्ण टेबलेट • अश्वगंधा चूर्ण टेबलेट
10.	हाइपरयूरिसीमिया इन गाउट पेशेंट (*वातरक्त*)	• पिंड तेल • अमृत गुग्गुलु • कैशोर गुग्गुलु • मधुस्नुही रसायन • कैशोर गुग्गुल • बालगुडुच्यादी तेल • गोक्षुरादि गुग्गुल • निम्बादी चूर्ण
11.	आयरन डेफिशिएंसी एनीमिया	• धात्री लौह • पुनर्नवादी मंदूरा • दादीमादी घृत, • नवायास चूर्ण • मंडूरा वातक • द्राक्षासव • द्राक्षावलेह • लोहासवा • आमलकी चूर्ण
12.	इर्रिटेबल बॉउल सिंड्रोम (आईबीएस) (*ग्रहणी रोग*)	• बिलवादी लेहा • कुटजारिष्ट • बृहत गंगाधर चूर्ण • कुटजवलेह • जातिफलाद्या चूर्ण • चित्रकाडी गुटिका • जीराकाद्यरिष्ट • मुस्तकारिष्ट
13.	मानसिक मंदता	• ब्रह्म रसायन
14.	माइग्रेन (अर्धवाभेदक)	• पथ्यादि क्वाथ चूर्ण • अणु तेल

15.	मानसिक मंदता	• ब्रह्म रसायन
16.	माइग्रेन (अर्धवाभेदक)	• पथ्यादि क्वाथ चूर्ण • अणु तेल
17.	नॉन-अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज़ (एनएएफएलडी)	• आरोग्यवर्धनी वटी • पिप्पल्यासव
18.	मोटापा (स्थौल्य)	• व्योषादि गुग्गुलु • हरीतकी चूर्ण • नवका गुग्गुलु • त्रयुषणादि गुग्गुलु • बृहद मंजिष्ठादि क्वाथ चूर्ण • विदंग चूर्ण • लेखनिया गण कषाय • आरोग्यवर्धनी गुटिका
19.	ऑस्टियोआर्थराइटिस	• पुनर्नवा गुग्गुलु • दशमूल घृत • कोट्टमचुक्कडी तेल • वतारि गुग्गुलु • नारायण तेल • महारास्नादि कषाय • क्षीरबाला तेल • योगराज गुग्गुलु • गंधर्वहस्ता तेल • धन्वन्तरा तेल • रसनादी गुटिका • चंद्रकला लेप • त्रयोदशांग गुग्गुल • महारासनदी क्वाथ चूर्ण • बृहत्सैंधवद्य तेल
20.	ऑस्टियोपेनिया/ऑस्टियोपोरोसिस	• लक्ष गुग्गुल • मुक्ता शुक्ति पिष्टी • अश्वगंधा चूर्ण • प्रवाल पिष्टी • अभद्या चूर्ण • मुक्त शुक्ति भस्म

21.	पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम (पीसीओएस)	• कंचनार गुग्गुल • राजाप्रवर्तिनी वटी • वरुणादि कषाय
22.	सोरायसिस (*किटिभ*)	• वज्रक घृत • आरोग्यवर्धनी वटी • दिनेशवलयादि तेल • यषद भस्म • त्रिफला चूर्ण • पंचतिक्तगुग्गुलु घृत • बृहन्मारीचद्या तेल • पंचतिक्त घृत • नलपामाराडी तेल
23.	रयूमेटोइड अर्थराइटिस	• सिंहनाडा गुग्गुलु • बृहत सैंधवद्य तेल • वतारि गुग्गुलु • हिंग्वाष्टक चूर्ण • व्योषादि गुग्गुलु • पंचसमा चूर्ण • पुनर्नवा गुग्गुल • रसनासप्तक क्वाथ चूर्ण • सुंठी चूर्ण • इंदुकांता घृत • त्रयोदशांग गुग्गुल
*कुछ फॉर्मूलेशन विभिन्न रोग स्थितियों या विभिन्न संयोजनों में दोहराए जाते हैं		

संलग्नक-IV

<u>सीसीआरएएस द्वारा गैर संचारी रोगों के लिए विकसित दवाएं</u>
<u>जैसे डायबिटीज मेलिटस, एचटीएन, कैंसर आदि</u>

क्र. सं.	औषधि का नाम	संकेत
1.	आयुष-82*	टाइप 2 डायबिटीज़ मेलिटस
2.	आयुष एसजी*	रूमेटॉइड अर्थराइटिस
3.	आयुष 56*	एपिलेप्सी
4.	आयुष क्यूओएल 2सी	कैंसर रोगियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना
5.	आयुष डी	टाइप 2 डायबिटीज़ मेलिटस
6.	कार्कटोल एस	कैंसर
7.	आयुष-एचआर	प्रीहाइपरटेंशन
8.	आयुष एम3	माइग्रेन एवं हाइपरटेंशन

* एनसीडी के लिए सीसीआरएएस द्वारा विकसित दवाओं का व्यवसायीकरण किया गया है।

संलग्नक- V

सीसीआरएएस के एनएबीएच प्रत्यायन प्राप्त संस्थान

क्र.सं.	संस्थान का नाम	प्रत्यायन संख्या	प्रत्यायन तिथि
1.	केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली	एएच-2022-0169	07.10.2022
2.	केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, भुवनेश्वर	एएच-2023-0188	13.03.2023
3.	क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, जयपुर	एएच-2023-0189	13.03.2023
4.	क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, ग्वालियर	एएच-2023-0187	13.03.2023
5.	केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, कोलकाता	एएच-2023-0198	12.05.2023
6.	क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, नागपुर	एएच-2023-0197	12.05.2023
7.	क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, जम्मू	एएच-2023-0196	12.05.2023
8.	क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, विजयवाड़ा	एएच-2023-0201	12.05.2023
9.	केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, पटियाला	एएच-2023-0202	05.07.2023
10.	राष्ट्रीय पंचकर्म आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, चेरुथुरुथी	एएच-2023-0208	05.07.2023
11	केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, गुवाहाटी	एएच-2023-0220	26.10.2023
12.	आरआरएपी केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, मुंबई	एएच-2024-0239	03.04.2024

सीसीआरएएस के एनएबीएच प्रत्यायन प्राप्त संस्थान (प्रवेश स्तर प्रमाणन)

क्र.सं.	संस्थान का नाम	प्रत्यायन संख्या	प्रत्यायन तिथि
1.	केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, बेंगलुरु	ईएसी-2023-0006	05.01.2023
2.	क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, रानीखेत	ईएसी-2023-0005	05.01.2023
3.	क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, अहमदाबाद	ईएसी-2023-0007	13.03.2023
4.	क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, लखनऊ	ईएसी-2023-0008	13.03.2023
5.	क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, पटना	ईएसी-2023-0013	12.05.2023
6.	क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, गंगटोक	ईएसी-2023-0012	12.05.2023
7.	क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, मंडी	ईएसी-2024-0025	29.02.2024

सीसीआरएएस संस्थानों के लिए <u>परीक्षण एवं अंशअनुसंधानन प्रयोगशालाओं</u> का एनएबीएल प्रत्यायन (आईएसओ/आईईसी 17025:2017)

क्र.सं.	संस्थान का नाम	प्रत्यायन संख्या	प्रत्यायन तिथि
1.	सीएसएम केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, चेन्नई	टीसी-05423	12.02.2023 (2017 में प्रत्यायन, 2023 में नवीनीकरण किया गया)
2.	केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, झांसी	टीसी-11092	26.10.2022
3.	क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, ग्वालियर	टीसी-11222	16.12.2022
4.	क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, पुणे	टीसी-11420	06.03.2023
5.	केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, कोलकाता	टीसी-12344	29.09.2023

सीसीआरएएस की एनएबीएल प्रत्यायन प्राप्तप्रयोगशालाएँ (मेडिकल लैब्स)

क्र.सं.	संस्थान का नाम	प्रत्यायन सं.	प्रत्यायन तिथि
1.	राष्ट्रीय आयुर्वेद पंचकर्म अनुसंधान संस्थान, चेरुथुरुथी	एनएबीएल-एम (ईएल) टी-00231	14.04.2022
2.	केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, कोलकाता	एनएबीएल-एम (ईएल) टी-00301	26.07.2022
3.	केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, बेंगलुरु	एनएबीएल-एम (ईएल) टी-00394	30.11.2022
4.	केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली	एनएबीएल-एम (ईएल) टी-00488	13.03.2023
5.	क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, नागपुर	एनएबीएल-एम (ईएल) टी-00591	30-05-2023
6.	केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, गुवाहाटी	एनएबीएल-एम (ईएल) टी-00594	30-05-2023
7.	क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, ग्वालियर	एनएबीएल-एम (ईएल) टी-00693	06.09.2023

8.	केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, पटियाला	एनएबीएल-एम (ईएल) टी-02331	16.11.2023
9.	एम.एस. क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, जयपुर	एनएबीएल-एम (ईएल) टी-02338	16.11.2023
10.	क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम	एनएबीएल-एम (ईएल) टी-02378	16.11.2023
11।	क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, जम्मू	एनएबीएल-एम (ईएल) टी-02437	08.12.2023
12.	क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, विजयवाड़ा	एनएबीएल-एम (ईएल) टी-02547	06.03.2024
13.	क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, अहमदाबाद	एनएबीएल-एम (ईएल) टी-02565	19.03.2024
14.	क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, पटना	एनएबीएल-एम (ईएल) टी-02647	02.08.2024
15.	क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, लखनऊ	एनएबीएल-एम (ईएल) टी-02906	17.02.2025
16.	आरआरएपी-केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, मुंबई	एनएबीएल-एम (ईएल) टी-02941	18.03.2025